



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

अधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 231] नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 27, 1989/वैसाख 7, 1911
No. 231] NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 27, 1989/VAISAKHA 7, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 अप्रैल, 1989

का. प्रा. 307 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 33 की उप-धारा (5) के साथ पठित उप-धाराओं (2) और (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा इस अधिसूचना के राजकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से साठ दिन समाप्त होने की तारीख के उक्त अधिनियम की प्रथम अनुसूची में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अनुसूची में—(क) भाग 1 के पश्चात् निम्नलिखित भाग जोड़ा जाए, अर्थात् :—

भाग 1 क—संघ राज्य क्षेत्र ग्रंथमान और निकोबार द्वीप समूह के अन्तर्गत पत्तन ।

पत्तन का नाम	प्रभार बसूल किए जाने वाले जहाज	पत्तन वेयताओं की प्रति टन दर	उस जहाज से शुल्क कितनी बार बसूल किया जाना है ।
1	2	3	4
पोर्ट ब्लेयर	10 टन और अधिक के समुद्रगामी जहाज		
एसफिस्टन हारबर	(क) विदेशी जहाज	पांच रुपये से अधिक नहीं]	पत्तन में प्रत्येक प्रविष्टि पर शुल्क दिया जाना है ।
माया बन्दर केमोरता कार निकोबार	(ख) तटीय जहाज	पांच रुपये से अधिक नहीं]	पत्तन में प्रत्येक प्रविष्टि पर शुल्क दिया जाना है ।

व्याख्या :—इस भाग के प्रयोजनों के लिए—

- (i) "तटीय जहाज" का तात्पर्य उस जहाज से है जो समुद्र के जरिए भारत के किसी पत्तन से भारत में अन्य पत्तन अथवा स्थान तक यात्रियों अथवा माल को लाने ले जाने के कार्य में लगा हो,
- (ii) "विदेशी जहाज" का तात्पर्य उस जहाज से है जो तटीय जहाज न हो और भारत के किसी पत्तन अथवा स्थान से रहाना होकर मार्ग में संघ राज्य क्षेत्र ग्रंथमान और निकोबार द्वीपसमूह के किसी पत्तन से होता हुआ विदेशी पत्तन तक जाए ।
- (ख) ग्रंथमान और निकोबार द्वीपसमूह से संबंधित भाग V और उसके अन्तर्गत आने वाली प्रविष्टियां काट दी जाएं ।

[का सं.पो धार-14019/10/88 पी जी]

योगेन्द्र नारायण, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th April, 1989

S.O. 307 (E):—In exercise of the powers conferred by sub-sections (2) and (3) read with sub-section (5) of section 33 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) the Central Government hereby makes with effect from the date following the expiration of sixty days from the date of publication of this notification in the Official Gazette, the following further amendments in First schedule to the said Act, namely:—

In the said Schedule—(a) after Part I, the following Part shall be inserted, namely:—

“Part IA—Ports under the Union territory of Andaman and Nicobar Islands.

Nome of the Port	Vessel chargeable	Rate of port dues per ton	Due how after chargeable in respect of same vessel
1.	2.	3.	4.
Port Blair,	Sca-going vessels of 10 tons and upwards:		
Elphinstone Harbour,	(a) Foreign vessels	Not exceeding Rupees Five.	Dues are payable on each entry to the port.
Maya Bunder, Camorta, Car Nicobar	(b) coasting vessels	Not exceeding Rupees Five	Dues are payable on each entry to the Port.

Explanation:—For the purposes of this Part:—

- (i) “coasting vessel” means a vessel which is engaged in the carriage by sea of passengers or goods from any port or place in India to any other Port or place in India;
 - (ii) “Foreign vessel” means a vessel which is not a coasting vessel and includes a vessel proceeding from any port or place in India to a foreign Port en route any Ports in the Union Territory of Andaman and Nicobar Islands”.
- (b) Part V relating to Andaman and Nicobar Islands and the entries thereunder shall be omitted.

[File No. PR—14019/10/88—PG]

YOGENDRA NARAIN, Jt. Secy.